

'गलतियाँ वही करते हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं, क्योंकि असफलता ही सफलता की पहली सीरय है

तिलक नगर थप्पड़ कांड में नया मोड़, दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच शुरू



नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक नगर में सड़क की गुणवत्ता जांच के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा पर युवक को थप्पड़ मारने के आरोप के बाद शुरू हुआ विवाद अब दोनों पक्षों की शिकायतों तक पहुंच गया है। पुलिस ने साहिब सिंह की शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अभी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। आप नेताओं का आरोप है कि सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाने और मौके की वीडियो रिकॉर्डिंग करने के कारण साहिब सिंह के साथ मारपीट की गई। पार्टी ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मामले को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। वहीं, प्रवेश वर्मा ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बीच कहा है कि मौके पर आप कार्यकर्ताओं की ओर से उनके परिवार के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने कहा कि परिवार के बारे में इस तरह की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। वर्मा ने आप विधायक जरनैल सिंह पर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के माध्यम से ठेकेदारों से कमीशन मांगने और निर्माण कार्य में हस्तक्षेप करने के आरोप भी लगाए हैं। इस बीच मामले में नया पहलू तब सामने आया, जब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों और सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार की ओर से भी विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ शिकायतें दी गईं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने निर्माण कार्य रूकवाने की कोशिश की और सड़क को नुकसान पहुंचाया।

तमिलनाडु में स्कूल को मान्यता दिलाने में बड़ा फर्जीवाड़ा



चेन्नई, इएमएस पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने निजी स्कूल को मान्यता दिलाने में कथित फर्जीवाड़ा के मामले में फरार आरोपी मुथुकुमार के रिश्तेदारों से जुड़े कार्रवायों पर तलाशी ली। शनिवार को कल्लक्कुरिची जिले में चलाए गए इस अभियान में मुथुकुमार के रिश्तेदारों सरवनन और रमेश के घरों के अलावा गोकुलकृष्ण के घर और दुकान पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान बैंक से संबंधित रिकॉर्ड समेत 30 दस्तावेज जब्त किए गए। इस संबंध में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुथुकुमार चेन्नई के टी. नगर में 'ग्लोबल 360 डिग्री' नाम की फर्म चलाता था। आरोप है कि उसने तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग से सरकारी मान्यता दिलाने का झूठा वादा कर निजी स्कूल प्रबंधन से पैसे लिए। सीसीबी की जांच में सामने आया कि मुथुकुमार का रिश्तेदार सरवनन इन वित्तीय लेनदेन में उसका सहयोगी था। पुलिस बैंक के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सीसीबी ने मामला दर्ज किया। मामले में तीन आरोपियों – बी.टी. अरसकुमार, सुरेश और राजा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक जुटाए गए स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल मंदेश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की गई है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट घेरा

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी रायपुर-बिलासपुर में बैरिकेड्स तोड़े, पुतला फूँका और काले गुब्बारे छोड़े



रायपुर/बिलासपुर, यशभारत। । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के कई जिलों में प्रदर्शन किया। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और रायगढ़ समेत विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट कार्यालयों का घेराव करने पहुंचे। रायपुर में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच खींचतान हुई, जबकि रायगढ़ में बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम जापन सौंपकर ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। रायपुर में प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी सुखदेव भगत की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इससे पहले राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें चुनावी मुद्दों के साथ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर और जल-जंगल-जमीन जैसे मुद्दों पर भी प्रदेशभर में आंदोलन की योजना बनाई है। बिलासपुर में जिला शहर और ग्रामीण कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की गई। कार्यकर्ताओं ने पुतला फूँका और काले गुब्बारे छोड़े। कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को जापन सौंपकर ज्ञानेश कुमार की

बर्खास्तगी के साथ गिरफ्तारी और उनके कार्यकाल में लिए गए फैसलों तथा मतदाता सूची में हुए बदलावों की स्वतंत्र जांच की मांग की। **वोट चोरी के आरोपों को लेकर सवाल** कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पिछले 10 महीनों में निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और विवेक जोशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के फैसलों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज कराई। पार्टी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), मतदाता सूची से नाम हटाने-जोड़ने और निर्वाचन आयोग की आईटी व्यवस्था को दिल्ली में केंद्रीकृत करने जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। रायगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने बैरिकेड्स के आगे बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। दुर्ग में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर रैली निकाली और प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम जापन सौंपा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर वह लंबे समय से सवाल उठाती रही है और निर्वाचन आयोग के भीतर फैसलों को लेकर सामने आई आपत्तियों ने इन सवालों को और गंभीर बनाया है।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रातभर बवाल!

पुलिस से झड़प के बाद 10 दिनों के लिए बंद हुआ कैंपस

फगपाड़ा,इएमएस। पंजाब के स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रविवार रात एक बार फिर स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। कैंपस में एक छात्रा के साथ कथित रेप और आत्महत्या की अफवाह फैलने के बाद छात्रों का प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। उग्र छात्रों और पुलिसकर्मियों के बीच हुई तीखी झड़प में कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कई जवान घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अगले 10 दिनों के लिए यूनिवर्सिटी बंद कर दी है और मिड-टर्म परीक्षाओं को भी ठाल दिया है। प्रदर्शनकारियों ने जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे को ब्लॉक कर दिया था, जिसे देर रात पुलिस बल



फुटेंज खंगाले जा रहे हैं और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार रात कैंपस में रहने वाली एक छात्रा के साथ कथित रेप और बाद में आत्महत्या की अफवाह सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद तनाव पैदा हो गया।

ने मशक़त के बाद खाली कराया। वहीं यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ. मोनिका गुलाटी ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की साजिश करार दिया है। पुलिस प्रशासन (जालंधर रेंज) ने स्पष्ट किया है कि अफवाह फैलाने वालों और हिंसा करने वालों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार रात कैंपस में रहने वाली एक छात्रा के साथ कथित रेप और बाद में आत्महत्या की अफवाह सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद तनाव पैदा हो गया।

निधि तिवारी की मौत के मामले में फोन कॉल और आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट की जांच

सिंगरौली, एजेंसी। करीब 16 लाख फॉलोअर्स वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मोरवा थाना क्षेत्र के भूसा मोड़ निवासी 30 वर्षीय निधि की मौत के बाद अब घटना से पहले हुई फोन पर बातचीत और उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर सभी पहलुओं से जांच शुरू की है। ताजा जानकारी के मुताबिक, घटना के समय निधि फोन पर एक युवक से बातचीत कर रही थीं। रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद निधि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। फोन पर बात कर रहे युवक ने निधि की मां को सूचना दी, जिसके बाद परिजन कमरे तक पहुंचे। निधि को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस अब इस फोन कॉल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। कॉल रिकॉर्ड और बातचीत के उपलब्ध विवरण के आधार पर घटना से पहले की परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले मौत के पीछे किसी एक कारण को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।



आखिरी दो प्रयास नहीं किए। चोट के बावजूद शुरुआती प्रयास में हासिल की गई दूरी ने उन्हें पटक की दौड़ में बनाए रखा। चीन के युहाओ शी ने 8.17 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के डेविड सोलोमन पातुराज 7.70 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बहरीन की विनफ्रेड यावी स्वर्ण और जापान की नोजोमी तनाका ने रजत पदक जीतने में सफल रहीं। भारत की सीमा 15८35.06 मिनट के समय के साथ छठे स्थान पर रही।वहीं वित्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 54.75 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

आइटी नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में सोमवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। पुरुषों की लंबी कूद में **मुरली श्रीशंकर ने चोटिल होने के बावजूद 8.07 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता।** वहीं **महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने कांस्य पदक हासिल किया। महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में वित्या रामराज ने भी कांस्य पदक जीता और 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।**

श्रीशंकर ने दूसरे प्रयास में 8.07 मीटर की छलांग लगाई, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रही। चौथे प्रयास के दौरान वह चोटिल हो गए और इसके बाद उन्होंने अपने

आखिरी दो प्रयास नहीं किए। चोट के बावजूद शुरुआती प्रयास में हासिल की गई दूरी ने उन्हें पटक की दौड़ में बनाए रखा। चीन के युहाओ शी ने 8.17 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के डेविड सोलोमन पातुराज 7.70 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बहरीन की विनफ्रेड यावी स्वर्ण और जापान की नोजोमी तनाका ने रजत पदक जीतने में सफल रहीं। भारत की सीमा 15८35.06 मिनट के समय के साथ छठे स्थान पर रही।वहीं वित्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 54.75 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत अब 21 अक्टूबर तक ऑडिट और 21 नवंबर तक ITR

इंदौर, यशभारत।। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा दी है। इससे कारोबारियों, कंपनियों, फर्मों, उद्यमियों, फ्रीलांसर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बड़ी राहत मिली है। पहले ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख 30 सितंबर 2026 थी, जिसे अब बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। वहीं, ऑडिट वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई है।

समयसीमा बढ़ाने का फैसला आयकर पोर्टल पर तकनीकी दिक्कों और अंतिम समय में बड़े काम के दबाव को देखते हुए किया गया है। करदाता और टैक्स प्रोफेशनल्स लंबे समय से डेडलाइन बढ़ाने की मांग कर रहे थे। अतिरिक्त समय मिलने से करदाताओं को अपने खातों, जीएसटी रिकॉर्ड, टीडीएस और अन्य कर संबंधी विवरणों का मिलान करने के लिए अधिक समय मिलेगा।

यह राहत उन व्यक्तिगत करदाताओं, फर्मों और कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके खातों का टैक्स ऑडिट कराना अनिवार्य है। अब वे 30 सितंबर की जगह 21 अक्टूबर तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा कर सकेंगे। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आईटीआर दाखिल किया जा सकेगा। ऑडिट रिपोर्ट और आईटीआर दाखिल करने की प्रक्रिया आपस में जुड़ी होने के कारण दोनों समयसीमाओं में बदलाव किया गया है। संबंधित ऑडिट फॉर्म पोर्टल पर जमा होने के बाद ही करदाता अपना अंतिम रिटर्न दाखिल कर पाते हैं। ऐसे में ऑडिट रिपोर्ट की तारीख बढ़ने के साथ रिटर्न दाखिल करने के लिए भी अतिरिक्त समय दिया गया है।

नई समयसीमा से करदाताओं को दस्तावेज और वित्तीय आंकड़े व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा। खास तौर पर उन कारोबारियों और पेशेवरों को राहत मिलेगी, जिनके खातों के ऑडिट और रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया अंतिम दिनों में पूरी होती थी। अब ऑडिट श्रेणी के पात्र करदाता 21 नवंबर 2026 तक आईटीआर दाखिल कर सकेंगे।

एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया की समीक्षा तक रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 2 हजार से अधिक नागरिकों ने भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों को पत्र लिखकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया की समीक्षा पूरी होने तक इस पर रोक लगाने की मांग की गई है। पत्र लिखने वालों में शिक्षाविद, वकील, पत्रकार, और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी शामिल हैं।

तिष्ठा शर्मा मौत मामले: समर्थ सिंह की जमानत पर आज सुनवाई, हाईकोर्ट में पूर्व जिला जज की अर्जी

भोपाल। यशभारत। मॉडल व अभिनेत्री त्विष्ठा शर्मा की मौत के मामले में आरोपित समर्थ सिंह की जमानत याचिका पर भोपाल की अदालत में 29 सितंबर को सुनवाई होगी। समर्थ की ओर से दायर आवेदन में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश आरोप पत्र को अधूरा बताते हुए जमानत दिए जाने की मांग की गई है। मामले में समर्थ सिंह के साथ उनकी मां और पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह भी आरोपित हैं। त्विष्ठा शर्मा की 12 मई 2026 को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। उनका शव घर में फंदे पर मिला था। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे। शुरुआती जांच स्थानीय पुलिस ने की थी, बाद में प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। जांच के दौरान सीबीआई ने समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह को आरोपित बनाया। एजेंसी ने मामले से जुड़े दस्तावेज, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, संदेश और अन्य सामग्री की जांच की। इसके साथ ही त्विष्ठा की मौत से जुड़े चिकित्सकीय पहलुओं की भी पड़ताल की गई। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया।

इसके साथ ही उन्होंने महान भारतीय धाविका पीटी उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। यूएई की मरियम करीम ने 54.31 सेकेंड के गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण और कजाकिस्तान की एर्बेलना जम्म ने 54.58 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

भारत की ईशा ने भी झटका सोना

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। भारत की ईशा सिंह ने लगातार पांच शूट-ऑफ का सामना करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वह एक समय तीसरे स्थान पर चिक्कक गई थीं, लेकिन दबाव के बीच शानदार वापसी करते हुए पहले नॉर्थ कोरिया की किम ह्योन सुक को हराकर रजत पक्का किया और फिर स्वर्ण के लिए चीन की जियारुइसुआन जियाओ को कड़ी चुनौती दी।

टीएमसी नाम-सिंबल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त 4 महीने में फैसला करने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तुलनामूल कांसेल (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद को जल्द निपटने के लिए चुनाव आयोग को चार महीने की समय-सीमा तय की है। कोर्ट ने दोनों गुटों को अपनी दलीलें और दस्तावेज एक महीने में पूरा करने तथा इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने में अंतिम फैसला सुनाने का निर्देश दिया। आयोग ने मामले के निपटारे के लिए छह महीने का समय मांगा था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया।यह आदेश सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। बनर्जी ने चुनाव आयोग के उस अंतिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत टीएमसी के मूल नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक दलों के नाम और चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद लंबे समय तक लंबित नहीं रहने चाहिए, क्योंकि इसका सीधा असर चुनावी प्ि या पर

टोनही कहने भर से अपराध दोषी को पांच साल तक की सजा

राजनांदगांव,यशभारत। छत्तीसगढ़ में किसी महिला को टोनही कहना अब कानूनन गंभीर और दंडनीय अपराध है। राजनांदगांव के महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अमित जिंदल ने छात्राओं को छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम-2005 और नए अपराधिक कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी महिला की टोनही के रूप में पहचान करना भी अपराध है और दोष सिद्ध होने पर एक से पांच वर्ष तक के कठोर कारावास और अर्थदंड का प्रावधान है।



न्यायाधीश जिंदल ने बताया कि अधिनियम की धारा 4 के तहत किसी महिला को टोनही के रूप में पहचान करने पर, भले ही उसे शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाया गया हो, तीन वर्ष तक के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा हो सकती है। वहीं टोनही कहकर महिला को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करने पर धारा 5 के तहत पांच वर्ष तक के कठोर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अंधविश्वास के चलते महिलाओं को टोनही बताकर प्रताड़ित करने की घटनाएं आज भी सामने आती हैं। कानून का उद्देश्य ऐसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाना और पीड़ित महिलाओं को कानूनी संरक्षण देना है। अधिनियम की धारा 6 के तहत टोनही के कथित प्रभाव को झाड़ू-फूंक से समाप्त करने या ऐसा करने का दावा करने पर भी पांच वर्ष तक के कठोर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। धारा 7 में जादुई शक्ति से किसी को नुकसान पहुंचाने का दावा करने पर एक वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। अपराध का प्रयास करने वाले पर भी धारा 8 के तहत मुख्य अपराध के समान दंड हो सकता है। शिविर में नए अपराधिक कानूनों के तहत नागरिकों को मिले अधिकारों की भी जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173 के तहत संज्ञेय अपराध की सूचना इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी पुलिस को दी जा सकती है। सूचनादाता द्वारा तीन दिन के भीतर हस्ताक्षर करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। महिला संबंधी अपराधों और मानव तस्करी के मामलों में एफआईआर महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज किए जाने का प्रावधान है। दिव्यांग पीड़ित अपनी सुविधा के अनुसार घर पर भी बयान दर्ज करा सकता है।

भूपेश बघेल की पाटन चुनाव याचिका सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार हाईकोर्ट को प्रारंभिक स्तर पर सुनवाई करने के निर्देश, पहले खारिज हुआ था आवेदन



रायपुर, यशभारत। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की चुनावी याचिका आंशिक रूप से स्वीकार कर ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हाईकोर्ट इस आपत्ति को फाइनल स्टेज की जगह प्रारंभिक स्तर पर सुनवाई कर निराकरण करे। अब इस मुद्दे पर हाईकोर्ट में शुरुआती स्तर पर सुनवाई होगी। इससे पहले छ्पा हाईकोर्ट ने भूपेश के आवेदन को खारिज कर दिया था। भूपेश बघेल के वकील हर्ष वर्धन परघनिया ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट ने हमारी आपत्ति को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया है। हाईकोर्ट अब इस मुद्दे को प्रारंभिक स्तर पर सुनेगा और उसके बाद आगे की प्रक्रिया तय होगी। दरअसल, विजय बघेल ने 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव को लेकर भूपेश बघेल के खिलाफ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इस याचिका को लेकर भूपेश बघेल की ओर से आपत्ति लगाई गई थी। इसमें तर्क दिया गया था कि चुनाव याचिका निर्धारित समय-सीमा के बाद दायर की गई है।इस आवेदन पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान विजय बघेल की गवाही की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भूपेश बघेल की ओर से इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया।

अब हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब हाईकोर्ट में इस बात पर पहले सुनवाई होगी कि भूपेश बघेल की ओर से उठाई गई आपत्ति का क्या असर है। इसके बाद चुनाव याचिका की आगे की प्रक्रिया तय होगी।

एमपी के मेडिकल छात्रों को बड़ा झटका!

बुदनी, छतरपुर और दमोह में इस साल नो एडमिशन, 300 सीटें फंसी

भोपाल, यशभारत। बुधनी, छतरपुर और दमोह मेडिकल कालेजों में इस शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त नहीं हो पाएगा। इसका मुख्य कारण यह है कि इनके सहित नौ कालेजों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) पर देने के विचार के चलते फैकल्टी भर्ती की प्रक्रिया बीच में निरस्त कर दी गई है। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी शासकीय मेडिकल कालेज को पीपीपी मोड पर नहीं दिया जाएगा। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया फिर से भले ही शुरू हो जाएगी, लेकिन इस सत्र में मान्यता नहीं मिल पाएगी। **कारण,** प्रवेश के लिए तीसरे चरण की काउंसिलिंग शुरू होने वाली है। अब न इतनी जल्दी फैकल्टी की उपलब्धता हो सकती है और न ही नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) निरीक्षण कर सकता है। सतना, सिवनी, नीमच, मंदसौर, सिंगरौली, रघोपुर और इन तीनों कालेजों को मिलाकर 342 पदों पर फैकल्टी की भर्ती प्रक्रिया एक जून से प्रारंभ की गई थी, जिसे 15 सितंबर को निरस्त कर दिया गया था। भर्ती रक करने का कारण यह रहा है कि जब सरकार इन कालेजों को पीपीपी मोड पर देने जा रही हो, तो भी शासन की तरफ से फैकल्टी की नियुक्ति क्यों की जाए। पीपीपी मोड पर देने के विचार के चलते भर्ती ही नहीं अन्य संसंधन जुटाने में भी देरी हुई। अन्य अगले सत्र से ही इन कालेजों को मान्यता मिलने की संभावना है। राजगढ़, मंडला और उज्जैन मेडिकल कालेज भी अगले वर्ष से ही शुरू हो सकते हैं। यह तीन कालेज खुलते तो सौ-सौ सीटों के मान से एमबीबीएस की 300 सीटें बंड़ जातीं।

जिला ब्यूरो चीफ, यश भारत
मो. 9425246107

डेढ़ साल पहले काम पूरा, अब उसी का टेंडर! 12 करोड़ के 51 विकास कार्यों में खेल? वार्ड 27 और 34 के निर्माण पर उठे गंभीर सवाल

■ यश भारत

रिसाली। रिसाली नगर निगम में 12 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 51 विकास कार्यों के लिए जारी टेंडर ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। टेंडर में वार्ड क्रमांक 27 और 34 के ऐसे कार्य भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो स्थानीय लोगों के अनुसार करीब डेढ़ साल पहले ही पूरे हो चुके हैं। यदि यह दावा सही है तो सवाल सिर्फ टेंडर का नहीं, बल्कि पहले हुए निर्माण, उसके भुगतान और अब दोबारा टेंडर निकालने की पूरी प्रक्रिया का है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब काम पहले ही जमीन पर बनकर खड़ा था, तो डेढ़ साल बाद उसी काम का टेंडर किस आधार पर जारी किया गया? क्या टेंडर जारी करने से पहले अधिकारियों ने मौके पर जाकर स्थिति देखी थी या फिर फाइलों में बैठे-बैठे ही विकास कार्यों की सूची तैयार कर दी गई?

बैकुंठ धाम में बना डोम, फिर भी टेंडर!

वार्ड क्रमांक 34 के बैकुंठ धाम मंदिर में करीब 19.51 लाख रुपये के डोम शेड और 17.55 लाख रुपये के पेवर ब्लॉक के कार्य टेंडर में शामिल हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि दोनों काम करीब डेढ़ साल पहले ही पूरे हो चुके हैं। ऐसे में सवाल सीधा है—अगर डोम और पेवर ब्लॉक पहले से मौजूद हैं तो अब टेंडर किस काम के लिए? क्या निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर बने निर्माण की जानकारी नहीं थी? और यदि जानकारी थी तो फिर उसे नए टेंडर में शामिल करने की जरूरत क्यों पड़ी?

हनुमान मंदिर का काम भी पहले से पूरा होने का दावा

वार्ड क्रमांक 27 के हनुमान मंदिर में



करीब 14.62 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य का टेंडर जारी किया गया है। यहां भी स्थानीय स्तर पर काम पहले ही पूरा होने की बात सामने आ रही है। यदि जांच में यह दावा सही पाया जाता है तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि एक ही काम पहले कराया गया और फिर उसी काम के नाम पर दोबारा टेंडर कैसे तैयार हो गया?

पहले निर्माण का पैसा कहां से आया?

मामले का सबसे बड़ा पेच अब पहले हुए निर्माण के भुगतान पर है। यदि निर्माण डेढ़ साल पहले कराया गया था तो उसकी राशि किस निधि, योजना या मद से जारी हुई? किस एजेंसी ने काम

कराया? किस अधिकारी ने भुगतान की अनुशंसा की? भुगतान कैसे किया गया? और यदि उस समय सरकारी राशि खर्च हो चुकी है तो अब उसी काम को नए टेंडर में शामिल करने का औचित्य क्या है?

टेंडर से पहले आंखें बंद थीं या स्थल का सत्यापन ही नहीं हुआ?

करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का टेंडर जारी करने से पहले संबंधित स्थलों का निरीक्षण और आवश्यकता का आकलन किया जाना चाहिए। ऐसे में यह सवाल निगम की पूरी प्रक्रिया पर है कि क्या मौके का भौतिक सत्यापन हुआ था? अगर सत्यापन हुआ था तो पहले

से बने निर्माण दिखाई क्यों नहीं दिए? और अगर सत्यापन नहीं हुआ था तो 12 करोड़ से अधिक के 51 कार्यों का टेंडर किस आधार पर तैयार किया गया?

बीएसपी की NOC भी सवालों में

रिसाली के कई क्षेत्र बीएसपी की जमीन और परिसंपत्तियों से जुड़े हैं। ऐसे में संबंधित निर्माण कार्यों के लिए बीएसपी से आवश्यक NOC ली गई थी या नहीं, यह भी जांच का अहम बिंदु है। यदि एनओसी ली गई थी तो उसके दस्तावेज सामने आने चाहिए। यदि एनओसी नहीं ली गई थी तो निर्माण किस अनुमति के आधार पर कराया गया, इसका जवाब भी निगम को देना होगा।



आयुक्त बोलीं—काम हो गया है तो स्थल बदल देंगे

मामले में रिसाली नगर निगम आयुक्त मोनिका वर्मा का कहना है कि यदि संबंधित स्थल पर पहले ही काम हो चुका है तो बैठक लेकर कार्यस्थल में परिवर्तन किया जाएगा।

लेकिन सवाल यह है कि काम होने की जानकारी टेंडर जारी होने के बाद क्यों सामने आई? क्या टेंडर तैयार करने वाले अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण नहीं किया? यदि नहीं किया तो इतनी बड़ी चूक की जिम्मेदारी किसकी है?

विधायक ने जांच के लिए संकेत

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित

चंद्राकर ने मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। अब देखना होगा कि जांच केवल कागजी खानापूति तक सीमित रहती है या फिर पहले हुए निर्माण से लेकर नए टेंडर तक पूरी प्रक्रिया की पड़ताल होती है।

जांच में खुलना चाहिए पूरा खेल

- पहले से बने कार्य टेंडर में कैसे शामिल हुए?
- डेढ़ साल पहले निर्माण किस निधि से कराया गया?
- निर्माण का भुगतान कैसे और कितना किया गया?
- संबंधित कार्य की स्वीकृति कब जारी हुई?

- टेंडर से पहले स्थल का भौतिक सत्यापन किसने किया?
 - बीएसपी की NOC ली गई थी या नहीं?
 - पहले से बने काम के लिए दोबारा टेंडर की जरूरत क्यों पड़ी?
 - इस चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन हैं?
- अब सवाल सिर्फ एक टेंडर का नहीं, बल्कि निगम की पूरी कार्यप्रणाली का है। यदि पहले से निर्मित कार्यों को दोबारा टेंडर में शामिल किया गया है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। साथ ही पहले हुए निर्माण के भुगतान और नए टेंडर की प्रक्रिया का रिकॉर्ड सार्वजनिक होने पर ही स्थिति पूरी तरह साफ होगी।

सेवा संकल्प अभियान नशामुक्ति और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल का लिया संकल्प

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला चिकित्सालय में हुआ संकल्प वाचन एवं स्वास्थ्य परीक्षण

■ युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली और नशे से दूर रहने का दिया संदेश

■ यश भारत

राजनंदागांव। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में आज जिला चिकित्सालय राजनंदागांव के कॉफ़ेस हॉल में नशामुक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यालयों एवं शासकीय

बौद्धिक दिव्यांगता वाले विशेष विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं माय भारत के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान अंतर्गत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्ति का संदेश एवं संकल्प वाचन कराया गया। साथ ही समाज के वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, सम्मान और उनके प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी संकल्प दिलाया गया।

उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती वैशाली मरडवार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के बीच इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशाखोरी से व्यक्ति, परिवार और समाज को होने वाली क्षति के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने जिले एवं प्रदेश में नशामुक्ति के लिए संचालित विभिन्न केन्द्रों की जानकारी

देते हुए बताया कि राजनंदागांव में समाज कल्याण विभाग के माध्यम से अनुदानित समता जन कल्याण समिति द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्र से अब तक सैकड़ों लोग लाभान्वित हो चुके हैं। कार्यक्रम के पश्चात स्वस्थ जीवनशैली विषय पर डॉ. विकास राठौर तथा नशामुक्ति एवं नशे की लत से बाहर निकलने के उपायों पर डॉ. रुपा मानकर द्वारा उपयोगी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने युवाओं को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, सकारात्मक दिनचर्या तथा नशे से पूर्ण दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपस्थित युवाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में युवा, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, प्रशिक्षक, कोच तथा माय भारत के समन्वयक श्री शुभजीत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

■ यश भारत

दुर्ग। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में कांग्रेस ने सोमवार को दुर्ग में बड़ा प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से कलेक्टर कार्यालय तक पैदल मार्च किया। काली टी-शर्ट पहनकर और चेहरे पर मुखौटे लगाकर प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट के बाहर पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, पुतला फूँका

प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने



जमकर नारेबाजी की। मार्च के समापन के बाद पुतला भी फूँका गया। कांग्रेस ने एक दिन पहले ही 28 सितंबर को विरोध मार्च और पुतला दहन की सूचना जारी करते हुए कार्यकर्ताओं से काला कपड़ा पहनकर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की थी।

कार्यक्रम में भूपेश बघेल के अलावा पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री रविंद्र

चौबे और पूर्व विधायक अरुण वोरा की मौजूदगी की सूचना दी गई थी।

SIR पर भूपेश बघेल ने उठाए सवाल

भूपेश बघेल ने SIR की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर पहले जो बातें सामने आ रही थीं, उनके

प्रदर्शन में दिखी सियासी हलचल

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस की अंदरूनी सियासत भी चर्चा में रही। खिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव की प्रदर्शन से दूरी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं। इसे भूपेश बघेल और देवेन्द्र यादव के बीच कथित राजनीतिक दूरी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में दोनों नेताओं की ओर से कोई स्पष्ट सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रमाण अब सामने आने लगे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के पूर्व में उठाए गए 'वोट चोरी' के आरोप का भी उल्लेख किया और कहा कि राहुल गांधी ने पहले ही इस मुद्दे को उठाया था। बघेल ने कांग्रेस की ओर से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों को भी उचित बताया।

कलेक्टर शिकायत शाखा खैरागढ़ का अनोखा खेल जिसके खिलाफ शिकायत, उसी को साँपा जांच का दायित्व!

PMO तक पहुंचा मामला - पानी टैंकर घोटाले में दोहरी खरीदी, दोहरे बिल और दोहरे भुगतान का आरोप

■ यश भारत

खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। कलेक्टर कार्यालय की शिकायत शाखा ने एक ऐसा आदेश जारी किया है जो न्याय के प्राकृतिक सिद्धांत के ही खिलाफ है।

मा म ल ा P M O P G P O R T A L आवेदन क्रमांक PMOPG/D/2026/0162507 से जुड़ा है। राजनंदागांव निवासी आवेदक जितेन्द्र जैन ने जनपद पंचायत छुईखदान में शासकीय धन से पानी टैंकरों की

खरीदी में गंभीर वित्तीय अनियमितता की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय के पोर्टल पर की थी। शिकायत 13.09.2026 को दर्ज हुई थी।

इस पर कलेक्टर कार्यालय (शिकायत शाखा) ने जापन क्रमांक /10691/PMOPG-PORTAL/2026, दिनांक 21.09.2026 जारी कर शिकायत की जांच का जिम्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छुईखदान को ही सौंप दिया।

यहां पेंच यह है कि आवेदक की शिकायत में जनपद पंचायत छुईखदान के प्रभारी CEO की भूमिका पर ही सवाल उठाए गए हैं। आवेदक का स्पष्ट कहना है कि वर्तमान में जनपद में प्रभारी CEO के रूप में एक अराजपत्रित तृतीय श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है, और पूरी क्रय प्रक्रिया में उनकी भूमिका की ही निष्पक्ष जांच होनी है।

ऐसे में सवाल उठता है - जिस अधिकारी की भूमिका स्वयं जांच के दायरे में है, उसे ही जांच अधिकारी कैसे बनाया जा सकता है? यह तो वही बात हुई कि 'बिल्ली को ही दूध की रखवाली

सौंप दी गई।' **क्या है पूरा घोटाला? आवेदक ने उठाए ये 7 गंभीर बिंदु**

- जितेन्द्र जैन द्वारा डिप्टी कलेक्टर को दिए गए प्रत्यावेदन में जिन तथ्यों की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है, वे चौंकाने वाले हैं -
1. एक स्वीकृति, दो वर्क ऑर्डर: एक ही प्रशासकीय स्वीकृति के आधार पर दो बार वर्क ऑर्डर जारी किया गया।
2. दो बार डिलीवरी, दो बार भुगतान: एक ही सामग्री की डिलीवरी दो बार दर्शा कर दो अलग-अलग बिलों से भुगतान किया गया।
3. पुराने टैंकरों को नया दिखाना: पहले से आपूर्ति हो चुके 9 पानी टैंकरों को वर्ष 2026 में फिर से GeM पोर्टल पर खरीदा हुआ दर्शाया गया।
4. 19 पंचायतों में एक ही फर्म का खेल: 19 ग्राम पंचायतों में एक ही फर्म को कार्यादेश दिया गया। GeM प्रक्रिया, दर और कमीशनखोरी की जांच की मांग है।
5. EOW जांच की मांग: आवेदक ने

इसे शासकीय धन का दुरुपयोग और अपराधिक षड्यंत्र बताते हुए EOW से जांच की मांग भी PMO पोर्टल पर की थी।

आवेदक की मांग - 3 दिन में बने जिला स्तरीय जांच दल

जितेन्द्र जैन ने माननीय डिप्टी कलेक्टर को लिखे पत्र में मांग की है कि -

प्रकरण की जांच उसी कार्यालय से कराना उचित नहीं है, जिसकी कार्यप्रणाली स्वयं शिकायत का विषय है। इससे जांच की स्वतंत्रता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता खत्म हो जाएगी।

उन्होंने मांग की है कि -

- जनपद पंचायत से अलग जिला स्तरीय स्वतंत्र जांच दल गठित हो।
- जांच दल में ऐसे अधिकारी हों जिनका इस क्रय-भुगतान से कोई संबंध न रहा हो।
- आदेश जारी होने के 03 दिवस के भीतर जांच दल का गठन और गठन के 15-30 दिवस के भीतर जांच पूरी हो।

संपादकीय

विराट की विराट उपलब्धि और निरंतरता का सबक

विराट कोहली का वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन का आंकड़ा पार करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस निरंतरता, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी जज्बे का प्रमाण है, जिसने उन्हें आधुनिक क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक के दौरान 59 रन पूरे करते ही कोहली ने यह मुकाम हासिल किया और वनडे इतिहास में सचिन तेंदुलकर के बाद 15 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस उपलब्धि की सबसे खास बात इसकी गति है। कोहली ने 303वीं पारी में 15 हजार वनडे रन पूरे किए, जबकि सचिन तेंदुलकर को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 377 पारियां खेलनी पड़ी थीं। आंकड़ों की यह तुलना अपने आप में बताती है कि कोहली ने किस असाधारण गति से रन बनाए हैं।



रिकॉर्ड से आगे कोहली की असली कहानी

पहुंचाया, उसी तरह कोहली ने बाद के दौर में बल्लेबाजी की अपेक्षाओं को एक अलग स्तर पर पहुंचाया। कोहली की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी ताकत उनकी निरंतरता रही है। वह केवल बड़ी पारियां खेलने वाले बल्लेबाज नहीं रहे, बल्कि लंबे समय तक उच्च स्तर का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। 13 हजार वनडे रन भी उन्होंने सबसे कम 267 पारियों में पूरे किए थे। अब 15 हजार के आंकड़े पर भी सबसे तेज पहुंचकर उन्होंने साबित किया है कि समय के साथ उनका प्रदर्शन केवल संयोग नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और तैयारी का परिणाम रहा है।

क्रिकेट में रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की महानता केवल रिकॉर्डों की संख्या से तय नहीं होती। असली कसौटी यह होती है कि वह कितने लंबे समय तक टीम की जरूरत के मुताबिक प्रदर्शन करता है और दबाव की परिस्थितियों में कितना प्रभाव छोड़ता है। कोहली का वनडे करियर इस कसौटी पर भी उल्लेखनीय रहा है। उनका शतक और 15 हजार रन का आंकड़ा इसी लंबी यात्रा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। अब स्वाभाविक रूप से चर्चा सचिन तेंदुलकर के 18,426 वनडे रनों के रिकॉर्ड की हो रही है। कोहली उस आंकड़े के कितने करीब पहुंचते हैं, यह भविष्य बताएगा। लेकिन फिलहाल इस उपलब्धि का महत्व इस बात में है कि भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है, जिसने अपने प्रदर्शन से कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रभावित किया है। विराट कोहली की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक संदेश है। प्रतिभा शुरुआत दिला सकती है, लेकिन लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के लिए फिटनेस, अनुशासन, मानसिक मजबूती और निरंतर सुधार जरूरी है। 15 हजार वनडे रन का पड़ाव इसी यात्रा की कहानी कहता है। रिकॉर्ड के पीछे छिपी मेहनत को समझना ही इस उपलब्धि का सबसे बड़ा अर्थ है।

कड़वे वचन

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ठंडा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो । ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये । जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है । चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है । कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो ।

आज का राशिफल	
पंचांग:- 29 सितंबर 2026 दिन-मंगलवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	ज्योतिषाचार्य वैदित लोकेश व्यास
मेष धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकृत मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	वृष घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें
मिथुन रुपय-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है	कर्क व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
सिंह साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अधीरिटी मिल सकती है।	कन्या घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे
तुला आधुनिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।	वृश्चिक सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ाए जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
धनु दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे	मकर अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
कुंभ बातचीत करते समय अहद भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	मीन व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

विचार प्रवाह

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

(विश्व हृदय दिवस पर विशेष)

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

(29 सितंबर विश्व मूक सिनेमा दिवस)

आज का सिनेमा आधुनिक तकनीक, डॉल्बी साउंड और भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स के शोर से भरा हुआ है। ऐसे दौर में क्या हम उस सिनेमा की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ न संवाद थे, न बैकग्राउंड स्कोर और न ही बोलते चिह्नते हुए किरदार?

आज 29 सितंबर को विश्व मूक फिल्म दिवस है। यह दिन सिनेमा के इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अभिनय की उस शुद्धतम कला को समझने का मौका है, जहाँ संवादों की अभिव्यक्ति के बिना सिर्फ आंखों और चेहरों से कहानियां पढ़ें पर उतरती थीं। सिनेमा का एक बुनियादी सच यह है कि मेथड ऐक्टिंग के लिए आवाज की जरूरत कभी नहीं रही। संवाद केवल कहानी आगे बढ़ाने का जरिया हैं, लेकिन असल अभिनय सीधे दर्शक की आत्मा को छूता है। इसका सबसे बड़ा और कालजयी उदाहरण गुलज़ार की फिल्म कोशिश है। इस फिल्म में संजीव कुमार और जया बच्चन ने एक मूक-बंधर कप्तान की भूमिका निभाई थी। पूरी फिल्म में दोनों ने अपनी जुबां से एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अपनी आंखों के उहराव, हाथों के कोमल इशारों और चेहरे की मर्मस्पर्शी खामोशी से दर्शकों को भीतर तक रला दिया। वह फिल्म इस बात की तस्दीक करती है कि जब भावनाएं गहरी होती हैं, तो शब्दों की जरूरत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है।

यदि हम सिनेमा का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि सबसे बड़े अभिनेता वही हुए हैं जिनकी खामोशी और भाव-भंगिमाएं उनके संवादों से ज्यादा गुंजती थीं। ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार इसका साक्षात् उदाहरण थे। उनके

तर्पण से पितरों को उनका अंश कैसे प्राप्त होता है अर्थात श्राद्ध में अर्पित सामग्री पितरों को कैसे मिलती है?

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए दान का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्ध कर्म पितृव्रण चुकाने का सरल व सहज माग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितराण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। श्राद्ध कर्म से व्यक्ति केवल अपने सगे-सम्बन्धियों को ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा से लेकर तृणपर्यन्त सभी प्राणियों व जगत को तुस करता है।

पितरों की पूजा को साक्षात् विष्णुपूजा ही माना गया है। श्राद्ध को वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है ? प्रायः कुछ लोग यह शंका करते हैं कि श्राद्ध में समर्पित की गई वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है? कर्मों की भिन्नता के कारण मरने के बाद गतियां भी भिन्न-भिन्न होती हैं- कोई देवता, कोई पितर, कोई प्रेत, कोई हथी, कोई चींटी, कोई वृक्ष और कोई तृण बन जाता है। तब मन में यह शंका होती है कि छोटे से पिण्ड से अलग-अलग योनियों में पितरों को तृप्ति कैसे मिलती है? इस शंका का स्कन्दपुराण में बहुत सुन्दर समाधान मिलता है। एक बार राजा करन्धम ने महयोगी महाकाल से पूछा च्मन्तुओं द्वारा पितरों के लिए जो तर्पण या पिण्डदान किया जाता है तो वह जल, पिण्ड आदि तो यहीं रह जाता है फिर पितरों के पास वे वस्तुएं कैसे पहुंचती हैं और कैसे पितरों को तृप्ति होती है? भगवान महाकाल ने बताया कि विश्व

नियन्ता ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि श्राद्ध की सामग्री उनके अनुरूप होकर पितरों के पास पहुंचती है। इस व्यवस्था के अधिपति हैं अग्निध्यात आदि। प्रकृति के देवता, पितरों और देव लोकों में पुण्य फल भोग रही जीवात्मायें (सामान्य देवता) की योनि ऐसी है कि वे दूर से कही हुई बातें सुन लेते हैं, दूर की पूजा ग्रहण कर लेते हैं और दूर से कही गयी स्तुतियों से ही प्रसन्न हो जाते हैं। जीवात्मा अविनाशी है। आत्मा चेतन है, उसी से चेतना पाकर ज्जीवात्माएं ही स्थूल शरीर के माध्यम से कर्म करता है और उसके ही माध्यम से कर्म फलों का भोग भी करता है। इस प्रकार ज्जीवात्माएं कर्ता भी है और भोक्ता भी। आत्मा केवल दृष्ट है, इसी से जीव चेतना पाकर सुख दुख भोगता है, कर्म करता है। मृत्यु के बाद कर्म अनुसार जीवात्मा कोई भी स्थूल शरीर पाकर चाहे देव, पितर, मानव, जानवर, कोट वृक्ष, प्रेत आदि कोई योनि पाये, कहीं भी हो, उसकी जीवात्मा वही रहती है तथा किसी दूसरी जीवात्मा द्वारा किये गये जप, तप, दान, तर्पण को ग्रहण करती है। श्रीमद्भगवत के अध्याय 9 के श्लोक 23 व 25 में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि जो भी भक्त श्रद्धापूर्वक अन्य देवताओं का पूजन करते हैं, वे भी मेरा ही पूजन करते हैं। और सकाम भाव से देवताओं और पितरों को किया पूजन का लाभ उन्हें मिलता है। हम जानते हैं कि जीवधारियों के

सूक्ष्म शरीर में पांच तन्मात्राएं, मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति- इन नी तत्व होते हैं और इसके भीतर दसवें तत्व के रूप में साक्षात् भगवान पुरुषोत्तम उसमें आत्मा के रूप में, निवास करते हैं। इसलिए प्रकृति के देवता, जो आकाश व अग्नि तत्व के होते हैं, शब्दतत्व में रहते हैं और स्पर्शतत्व को ग्रहण करते हैं। देवलोक के देवताओं व पितरों के शरीर में वायु तत्व भी होता है, अतः से गन्ध व रसतत्व से तुप्त होते हैं। पवित्रता से भी ये प्रसन्न होते हैं और वर देते हैं। जैसे मनुष्यों का आहार अन्न है, पशुओं का आहार तृण है, वैसे ही पितरों का आहार अन्न का सार-तत्व (गंध और रस) है। अतः वे अन्न व जल का सारतत्व ही ग्रहण करते हैं। शेष जो स्थूल वस्तु है, वह यहीं रह जाती है। शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नाम व गोत्र के उच्चारण के साथ जो अन्न-जल, द्रव्य आदि पितरों के दिया जाता है, विश्वेदेव एवं अग्निध्यात (दिव्य पितर) हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचा देते हैं। यदि पितर देवयोनि को प्राप्त हुए हैं तो वहॉ दिया गया अन्न उन्हें अमृत होकर प्राप्त होता है। यदि गन्धर्व बन गए हैं तो वह अन्न उन्हें भोगों के रूप में प्राप्त होता है। शेष में स्थूल रूप धारण कर, यदि पशुयोनि में हैं तो वह अन्न तृण के रूप में प्राप्त होता है। नागयोनि में वायुरूप से, हथीयोनि में पानरूप से, राक्षसयोनि में आमिषरूप में, दानवयोनि में मांसरूप में, प्रेतायोनि में रुधिररूप में और मनुष्य बन जाने पर भोगने योग्य तृप्तिकारक

पदार्थों के रूप में प्राप्त होता है। जिस प्रकार बछड़ा झुण्ड में अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, उसी प्रकार नाम, गोत्र, हृदय की भक्ति एवं देश-काल आदि के सहारे दिए गए पदार्थों को मन्त्र पितरों के पास पहुंचा देते हैं। जीव चाहें सैकड़ों योनियों को भी पार क्यों न कर गया हो, तर्पण की गई वस्तु व भाव उसके पास पहुंच ही जाते हैं। हमें अपने स्वर्गवासी सम्बन्धियों से निम्न प्रार्थना करनी चाहिए। यह केवल क्रिया नहीं है, इसके पीछे भाव है। (1) शुद्ध संकल्पों से पूर्वजों को याद कर जप, तप, दान, पुन्य कर्म आदि कर उसका फल श्रद्धांजलि के रूप में उन्हें अर्पित करना चाहिए, जिससे इसके कंपन स्पंदन थरथराहट (वायब्रेशन) उन तक पहुंच जाए और उनकी आत्मा का उन्नयन होगा। (2) उनके गुणों को याद कर प्रेरणा लेनी चाहिए। (3) पितरों से प्रार्थना करनी चाहिये कि जाने-अनजाने में गलती से हमने आप के दिल को दुखाया है, उसके लिए हम सच्चे दिल से प्रार्थक्षित करते हैं। (4) हम आप जैसे गुणों को अपने अंदर लाने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। अतः हमें पूरे श्रद्धा के साथ श्राद्ध कर अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त कर और उनके आशीर्वाद रूपी आशीष से अपने और अपने पूरे परिवार के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि लाना चाहिए। - श्रीमती प्रीति सिंह चौहान नर्मदापुरम (म.प्र.)

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण ‘मन की बात’ को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।‘मन की बात’ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीपीएल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए।जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदानी कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा।स्वच्छता का विषय भी ‘मन की बात’ में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है। (लेखक - कांतिलाल मांडोट)

आईसीसी का अनोखा नियम: क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम?



नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट फैस इस समय रोमांचक के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमें विभिन्न अंतराष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती हैं। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमें अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमों नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए, जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमें हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमें एक ही



विराट कोहली ने शतक और 15 हजार वनडे रन के बाद करियर, फिटनेस और युवाओं पर की खुलकर बात

बोले -फ्री माइंड के लिए फिट शरीर जरूरी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाने के साथ 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले विराट कोहली ने अपने करियर, फिटनेस, मानसिक तैयारी, युवा खिलाड़ियों और शुभमन गिल के साथ साझेदारी को लेकर खुलकर बात की। कोहली इस आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां कभी

उनके लक्ष्य का हिस्सा नहीं रही और उनका ध्यान हमेशा परिस्थितियों को समझकर टीम के लिए योगदान देने पर रहा है। 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रिकॉर्ड के बारे में सोचकर बल्लेबाजी नहीं की। उनका पूरा ध्यान स्थिति के मुताबिक टीम के लिए अपना काम करने पर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियां अपने आप आती हैं और इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने तथा इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। कोहली ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी



मेहनत और मिले अवसरों के लिए ईश्वर के प्रति आभार को दिया। अपनी निरंतरता के बारे में कोहली ने कहा कि खेल की समझ के साथ इस उम्र और करियर के पड़ाव पर फिटनेस भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि मानसिक रूप से तरोताजा रहना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना उनके लिए जरूरी है। कोहली ने बताया कि वह अपने खेल में एक-दो गिघर ऊपर जाने की चुनौती पर काम कर रहे हैं

और करियर के इस चरण में अपने खेल का नया रूप तलाशना उन्हें उत्साहित करता है। कोहली ने कहा कि फ्री माइंड के साथ खेलने के लिए फिट शरीर जरूरी है। शारीरिक रूप से फिट रहने के बाद ही वह उस तरह के खेल की कल्पना कर पाते हैं, जैसा वह मैदान पर खेलना चाहते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब उनका लक्ष्य सिर्फ रन बनाना नहीं, बल्कि मैदान पर हर संभव तरीके से टीम के लिए योगदान देना है। फिटनेस के साथ फील्डिंग में भी पूरी ऊर्जा लगाने पर उनका जोर है।

सकारात्मक क्रिकेट, लेकिन लापरवाही नहीं

कोहली ने कहा कि उन्होंने खुद से सकारात्मक क्रिकेट खेलने का वादा किया है, लेकिन इसका मतलब लापरवाह शॉट खेलना नहीं है। एक अनुभवी और पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उन्हें आक्रामकता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना है। उनका कहना है कि जब भी मैदान पर उतरें, तो दबाव या चिंता के बजाय खुशी के साथ खेलें और टीम की जरूरत के मुताबिक

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

बेहतर रैंकिंग के आधार मिला अंतिम चार का टिकट



नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्रांटर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्रांटर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय

9-30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया? इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां



भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा

जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब ड्रुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एग्रेसी ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुखिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उज्बेकिस्तान ने भारत और जर्मनी से दो अंक आगे रहते हुए अपना दूसरा शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के आधार पर सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसमें मैथियास ब्लूबाउम की जीत निर्णायक रही।

रंग संसार

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने



बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर ने केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश करती हैं। टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर साक्षी तंवर ने अक्टूबर 2018 में, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, नौ महीने की एक बच्ची को गोद लिया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दिया रखा, जिसका अर्थ है प्रार्थनाओं का जवाब या देवी लक्ष्मी का एक रूप। जब उन्होंने दिया को गोद लिया, तब वह 45 साल की थीं और उन्होंने इस फैसले को अपनी

जिंदगी का सबसे खूबसूरत और महत्वपूर्ण मोड़ बताया था। यह कदम दर्शाता है कि मातृत्व के लिए पारंपरिक विवाह की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक बंधन है। साक्षी ने कभी यह नहीं कहा कि वह शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना ​​रहा है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बिताते का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना ​​है कि शादी जबदस्तगी या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज से पढ़ाई की और आईएएस की तैयारी भी की। उस दौरान अपने खर्चों के लिए उन्होंने एक होटल में प्रशिक्षु के तौर पर भी काम किया था। उनका अभिनय की दुनिया में आना किसी योजना का हिस्सा नहीं था।

लस्ट स्टोरीज़ 3 में पेश की ससुर के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 में अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपने प्रदर्शन के लिए मिल रहे अपार प्यार का आनंद ले रही हैं। अदिति ने फिल्म में सायरा के रूप में न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पढ़ें पर उतारती हैं, बल्कि गजराज राव द्वारा



निभाए गए अपने ऑन-स्क्रीन ससुर के साथ भावनात्मक तस्वीर भी दर्शाती है। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक मार्मिक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पढ़ें पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। अदिति ने बताया, च्चो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया।ज्वह आगे कहती हैं, च्चकहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा

प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुरों एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है।ज्ज अदिति के अनुसार, यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहाँ इच्छाएँ अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, यह भी बेहद अद्भुत है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत

है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। अदिति मानती हैं कि लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है.



सुनील पाल का सलमान पर हमला

मुंबई, यशभारत। कॉमेडियन सुनील पाल ने हाल ही में सलमान खान द्वारा बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में ट्रोलर्स को फटकार लगाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सुनील पाल ने सलमान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें स्टार बनाने में जनता का बड़ा योगदान है, और उन्हें ऐसे शो की मेजबानी छोड़ देनी चाहिए। सुनील ने सलमान से बिग बॉस शो को बंद करने की अपील की, इसे गटर शो तक कह डाला। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस रियलिटी शो का समाज पर गलत प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि इसमें एक से बढ़कर एक कांड करने वाले लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं। सुनील ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ट्रोलिंग का समर्थन नहीं करते, लेकिन उनका मानना ​​है कि किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखना गलत नहीं है, बशर्ते उसे सही और मर्यादित तरीके से व्यक्त किया जाए।

अनीत और अहान की डेटिंग की चर्चा

अभिनेत्री अनीत पड्डा और अभिनेता अहान पांडे एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों तब तेज हो गईं, जब प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं तलाश लीं। वर्ष 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' में दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही दोनों कलाकारों को लेकर डेटिंग की अटकलें लगती रही हैं। अनीत पड्डा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं।

सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया, तो क्या बड़ी बात है: गोविंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने अपने उपर लग रहे आरोपों पर खुलकर बात की। गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके इस दौर को लेकर हो रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ गया था और फिल्म हिट हुई थी। मैं रवीना टंडन के साथ गया था और मेरी फिल्म हिट हुई थी। यह मेरे लिए गुड लक है। लंबे समय बाद फिर से काम की शुरुआत कर रहा हूँ, इसलिए मैंने अपनी सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। इसमें क्या बड़ी बात है? क्यों इतनी बातें हो रही हैं? उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि वह इन दर्शनों को अपने लिए एक शुभ संकेत मानते हैं। एक तरफ गोविंदा लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उनके बेटे यशवर्धन आहुजा भी बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यशवर्धन फिल्म हिरों की हॉरइड्स से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने जा रहे हैं। यह फिल्म 7 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस



फिल्म में यशवर्धन के अलावा सुनीता आहुजा, नितांशी गोयल, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बिजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह गोविंदा और उनके परिवार के लिए एक रोमांचक समय है, जहाँ वे एक साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। गोविंदा ने अपनी

आने वाली योजनाओं के बारे में और दिगज कलाकार अनुपम खेर के साथ अपने अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने रियलिटी शो में अपनी संभावित भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। गोविंदा ने अनुपम खेर के अभिनय की जमकर तारीफ की। अनुपम खेर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंदा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इम्प्रोवाइजेशन, अभिनय और नृत्य में कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोविंदा ने कहा, अनुपम खेर देश के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उनके साथ काम करते समय मुझे एहसास हुआ कि वह कितने सरल, सहज और जमीनी इंसान हैं। वह हमेशा दूसरों के बारे में सोचते हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी काम को शूटिंग के बाद और बेहतर बनाया जा सकता था, तो वह खुद फोन करके उस पर बात करते हैं। यह टिप्पणी अनुपम खेर के साथ उनके गहरे सम्मान और व्यावसायिक रिश्ते को दर्शाती है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि गोविंदा किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता टीम की संजू देवी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 51 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

■ छत्तीसगढ़ की बेटी ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश-प्रदेश का मान बढ़ाया : मुख्यमंत्री साय

■ प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर और प्रोत्साहन देगी राज्य सरकार

■ यश भारत

रायपुर। एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय

महिला कबड्डी टीम की सदस्य और छत्तीसगढ़ की बेटी सुश्री संजू देवी ने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संजू देवी को बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संजू देवी को 51 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संजू देवी ने अपने उत्कृष्ट खेल, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प

से अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की बेटीयों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं में अपार सामर्थ्य है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रोत्साहन मिले, ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। मुख्यमंत्री ने संजू देवी से



एशियन गेम्स के अपने अनुभवों और भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के संबंध में आत्मीय बातचीत की। उन्होंने संजू देवी की

मेहनत और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक खिलाड़ी की उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं होती, बल्कि वह अपने साथ हजारों युवाओं के सपनों को भी नई उड़ान देती है। संजू देवी की सफलता प्रदेश के गांवों और छोटे शहरों में खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देख रहे बच्चों और युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स

2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल और खिलाड़ियों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि प्रदेश के

दूरस्थ अंचलों से निकलने वाली प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता निखारने और देश-दुनिया के खेल मंचों तक पहुंचने के पर्याप्त अवसर मिलें। संजू देवी जैसी प्रतिभाओं की उपलब्धियां इस संकल्प को और मजबूत करती हैं। संजू देवी ने सम्मान और प्रोत्साहन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मिला यह प्रोत्साहन उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

खनिज आधारित भारी उद्योगों और ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार से छत्तीसगढ़ बनेगा आत्मनिर्भर: बृजमोहन

■ यश भारत

रायपुर। संसदीय प्राक्कलन समिति (एस्टिमेट्स कमेटी) के उत्तराखंड अध्ययन प्रवास के दौरान ऋषिकेश में आयोजित उच्चस्तरीय बैठकों में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के जनाहित और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों को पूरी प्रखरता के साथ रखा। समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में नागरिक उड्डयन, भारी उद्योग और विद्युत क्षेत्र से जुड़े अहम विषयों की जमीनी समीक्षा की गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में देश भर में एयरपोर्ट विकास और उड़ान योजना की समीक्षा हुई। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की जनता की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं को रखते हुए



कहा कि रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल को अविलंब अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूर्ण दर्जा दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग सुविधा को बिना किसी देरी के शुरू कर 24 घंटे कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की मांग की। श्री अग्रवाल ने जगदलपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट से बंद पड़ी नियमित उड़ानों को तुरंत बहाल करने पर जोर देते हुए कहा कि बस्तर और सरगुजा जैसे वनांचल क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़े रखने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बेहद

जरूरी है। बैठक में एलायंस एयर और पवन हंस के अधिकारी भी उपस्थित रहे। “देश में भारी उपकरणों की उत्पादन क्षमता की समीक्षा” विषय पर आयोजित बैठक में श्री अग्रवाल ने कहा कि भारी उद्योग किसी भी राष्ट्र की आर्थिक रीढ़ होते हैं। मशीनों के निर्माण के साथ देश की आत्मनिर्भरता और युवाओं के रोजगार की राह खुलती है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ प्रचुर लौह अयस्क और कोयला संपदा से संपन्न है। इस खनिज संपदा का अधिकतम मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) राज्य के भीतर ही होना

चाहिए, ताकि यहां आधुनिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स लगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों। इस दौरान BHEL के सीएमडी शिव कुमार मूर्ति ने शॉल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सांसद बृजमोहन समेत समिति सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय, भेल और HEC के प्रतिनिधि भी शामिल थे। “भारत में विद्युत परियोजनाएं मुद्दे और चुनौतियां” पर आयोजित तीसरी अहम बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने ऊर्जा उत्पादन, हाइड्रो प्रोजेक्ट्स और पारेक्षण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की तेजी से बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा करना अनिवार्य है, साथ ही विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधना भी उतना ही जरूरी है।

आंगनबाड़ी से हर परिवार का जुड़ाव बच्चों के बेहतर पोषण की ताकत बनेगा- मंत्री राजवाड़े

■ यश भारत

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्मोरा और धुसेरा आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने बच्चों से आत्मीय बातचीत की, उन्हें चॉकलेट वितरित की और न्योता भोज में पौष्टिक भोजन कराया। मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा छोटे बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार में भाग लेकर माताओं और परिवारों को शुभकामनाएं दीं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य बच्चों के पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और प्रारंभिक बाल विकास में परिवार तथा समुदाय की भागीदारी बढ़ाना है। इसी भावना के साथ मंत्री



श्रीमती राजवाड़े ने दोनों केंद्रों में बच्चों, माताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों से उनकी रुचियों के बारे में बात की और कार्यकर्ताओं से केंद्रों में संचालित पोषण एवं देखभाल संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चे स्वस्थ रहेंगे और अच्छी तरह सीखेंगे, तभी उनका भविष्य

मजबूत होगा। इसके लिए परिवार और आंगनबाड़ी केंद्र का निरंतर जुड़ाव जरूरी है। उन्होंने माताओं से बच्चों के भोजन में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दाल, हरी सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने तथा आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाली सेवाओं का नियमित लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि गोद भराई और अन्नप्राशन जैसे अवसर परिवारों

से पोषण पर संवाद करने का भी माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान ‘हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा’ अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में मुनगा का पौधा लगाया गया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने माताओं और महिलाओं को भी मुनगा के पौधे भेंट किए। उन्होंने उन्हें घर की बाड़ी या आसपास उपयुक्त स्थान पर पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने कहा कि मुनगा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयोगी पौधा है। इसके पौधों को घरों और पोषण वाटिकाओं तक पहुंचाकर परिवारों को पौष्टिक आहार के एक अतिरिक्त स्रोत से जोड़ा जा सकता है। महिलाओं और ग्रामीणों से संवाद में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महिला एवं बाल विकास विभाग की सेवाओं और योजनाओं की जानकारी भी दी।

आईएस आशीष कुमार टिकरिहा को जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार

■ यश भारत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए 2021 बैच के आईएसएस अधिकारी आशीष



कुमार टिकरिहा को जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन

विभाग ने सोमवार को आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक आशीष कुमार टिकरिहा वर्तमान में छत्तीसगढ़ वयैर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक के पद पर कार्यरत हैं। अब वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी सभालेंगे। शासन के आदेश के बाद जनसंपर्क विभाग के प्रशासनिक और विभागीय कामकाज की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जा रही है।

रावण का पुतला जलाना मानवाधिकार का उल्लंघन है या नहीं छत्तीसगढ़ आयोग में पहुंचा अनोखा मामला

■ यश भारत

रायपुर। छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के सामने सामाजिक बहिष्कार, प्रताड़ना और अधिकारों से जुड़े मामलों के बीच एक ऐसा आवेदन भी पहुंचा, जिसमें पौराणिक पात्र रावण और दुर्योधन को मानवाधिकार के नजरिए से जोड़ते हुए सवाल उठाया गया। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने बताया कि आवेदक ने पूछा कि हर साल दशहरे पर रावण का पुतला जलाया जाता है, तो क्या यह उसके मानवाधिकारों का हनन नहीं है। साथ ही सवाल किया गया कि यदि रावण का पुतला जलाया जाता है तो महाभारत के दुर्योधन का पुतला क्यों नहीं जलाया जाता। आवेदक के सवाल पर आयोग ने स्पष्ट किया कि रावण मानव नहीं था, इसलिए यह मामला मानव अधिकार आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस तरह पौराणिक पात्र और आधुनिक मानवाधिकार की अवधारणा को जोड़कर किया गया यह आवेदन आयोग के लिए अलग तरह का मामला रहा। गिरधारी नायक के अनुसार आयोग के गठन के बाद करीब 26 वर्षों में 74 हजार मामले सामने



आए हैं। इनमें लगभग 900 मामले लिखित हैं। आयोग के समक्ष आने वाले मामलों में सामाजिक बहिष्कार से जुड़े प्रकरणों की हिस्सेदारी करीब 40 से 45 प्रतिशत बताई गई है। उन्होंने बताया कि आयोग में कई फर्जी शिकायतें भी आती हैं, जिनकी संख्या लगभग 3 से 4 हजार है।

सामाजिक बहिष्कार के मामलों में व्यक्ति या परिवार को समाज से अलग करने, सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं होने देने, बातचीत बंद करने तथा आर्थिक और सामाजिक दबाव बनाने जैसी शिकायतें सामने आती हैं।

रायपुर के 1,800 सफाई कर्मचारियों की शिकायतें

राजधानी रायपुर में करीब छह हजार सफाई कर्मचारियों में

से लगभग 1,800 कर्मचारियों की समस्याएं आयोग के सामने पहुंची हैं। शिकायतों पर संबंधित नगरीय निकायों को नोटिस जारी किए गए, जिसके बाद कई मामलों का निराकरण किया गया।

30 हजार ट्रक चालकों के बीमा की पहल

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आयोग ने आरटीओ और यातायात विभाग के अधिकारियों से चर्चा की है। आयोग ने ट्रक चालकों को प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने का सुझाव भी दिया है। प्रदेश में 10 से अधिक ट्रक रखने वाले करीब तीन हजार ट्रक मालिकों से जुड़े लगभग 30 हजार चालकों का समूह बीमा कराने के लिए आयोग ने पत्र लिखा है। वाणिज्यिक ट्रक चालकों की सामाजिक सुरक्षा

और दुर्घटना जोखिम देशभर में मानवाधिकार संस्थाओं के लिए भी चिंता का विषय रहे हैं।

कुछ रोग के 1,500 नए मामले चिन्हित

ग्रामीण क्षेत्रों में पहले तीन हजार से अधिक कुष्ठ रोगियों को चिन्हित किया गया था। दोबारा जांच में करीब 1,500 नए मामले सामने आने की जानकारी आयोग के समक्ष रखी गई है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के साथ चर्चा की है।

आयोग की टीम ने विभिन्न जिलों में स्कूल, अस्पताल, जेल और थानों का निरीक्षण भी किया। बीजापुर दौरे के दौरान सरेंडर कर चुके नक्सलियों से बातचीत की गई। करीब 200 सरेंडर नक्सलियों से चर्चा में नौ ऐसे लोग सामने आए, जो बचपन में अनाथ हो गए थे। आयोग ने संबंधित कलेक्टरों से ऐसे बच्चों की पहचान कर उनकी देखभाल, शिक्षा और आवश्यक संरक्षण की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा स्कूल, अस्पताल और जेलों के निरीक्षण की प्रक्रिया पहले भी की जाती रही है।



CLUB SAMPURNA

Launching Today

Grand Launch Offer

50% OFF

ON REGISTRY CHARGES & STAMP DUTY

Premium Residential Plots

**Exclusive Gated Community**

**Lush Green Spaces**

20+

Ready Amenities



Visit Today

Near Sanjeevani Hospital, Chikhali, Khairagarh Road, Rajnandgaon (C.G.)

RERA No. PCGRERA250724001800
<https://rera.cgstate.gov.in/>

83-9996-9991
83-9996-9992

